06|08|25....नियत की गई

19 06/25 आज यह पत्रावली वकील प्रार्थी एवं प्रार्थी स्वयं के उपस्थित होकर पेश प्रार्थना पत्र बाबत नोट प्रेस पर पेश मे ली गई। वकील प्रार्थी वादी ने वकालतनामा पेश किया। वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया है कि मन वादिनी उक्त वाद पत्र को आगे नहीं चलाना चाहती है जिसे नोट प्रेस मे खारीज किया जाना न्यायोचित है। वकील प्रार्थी। वादी की बहस सुनी गई। हमने पत्रावली का अध्ययन किया वाद पत्र को नोट प्रेस मे खारीज किया जाता है। पत्रा० नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

Not press

(कार्यपालक मजि०)
19/6/25

द० ... कार्यालय